दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 113 नवम्बर-दिसम्बर, 2016 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

अलंकरण समारोह

ी पुलिस

अतिथि

श्री र नाथ



बेगुनाह फंसे नहीं – गुनाहगार बचे नहीं...

– केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह

दिल्ली पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन

25827 पदोन्नतियों की खुशी में 'अलंकरण समारोह'

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पदोन्नति पाने वालों को स्टार व बैज़ लगाकर सम्मानित किया



मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।



केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।



फोटो : रोज़र

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।

31 दिसम्बर, 2016 का दिन दिल्ली पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन कहा जाए तो कोई गलत नहीं होगा। क्योंकि शायद सम्पूर्ण भारतवर्ष में पुलिस बलों के बीच ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ 25827 पुलिसकर्मियों को मिली पदोन्नति का जश्न इतने बड़े स्तर पर मनाया गया हो। वर्ष 2016 को दिल्ली पुलिस के लिए यदि पदोन्नति वर्ष कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगा। दिल्ली पुलिस द्वारा 31 दिसम्बर, 2016 को आईजीआई स्टेडियम में **'अलंकरण समारोह'** मनाया गया। इस समारोह की सबसे बड़ी सराहनीय विशेषता यह रही कि देश के **केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** सहित दोनों केन्द्रीय **गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू** एवं **श्री हसंराज गंगाराम अहीर** ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस विशाल कार्यक्रम में पदोन्नति पाने वाले 25827 पुलिसकर्मियों के साथ–साथ उनके परिजन भी उपस्थित थे। जिन्होंने तख्तियाँ पर लिखे अपने स्लोगनो से न केवल माननीय मुख्य अतिथि **श्री राजनाथ सिंह** का अभिनंदन किया बल्कि **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** के प्रति अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की। समारोह में लाखों की संख्या में उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों द्वारा किये गये नारों के उद्घोष से स्टेडियम में खुशी की लहर देखते ही बन रही थी। लिम्का अवॉर्ड विजेता कैलीग्राफर एसआई पीपी.श्यामलन ने पुलिसकर्मियों द्वारा स्टेडियम में लहराई गई तख्तियों पर अपनी अति सुन्दर हैंडराइटिंग से स्लोगन लिखे थे।

आईजीआई स्टेडियम में आयोजित **'अलंकरण समारोह'** के मुख्य अतिथि **श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू, श्री हंसराज गंगाराम अहीर** गृहमंत्रालय में **अतिरिक्त सचिव श्री एस. गोपाल, रेड्डी, पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री अमूल्य पटनायक** मंच पर उपस्थित थे। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विशाल स्तर पर हुई पदोन्नतियों के बारे में विस्तार से बताया।

इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने भारी संख्या में उपस्थित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिपाही दिल्ली पुलिस में रीढ़ की हड्डी की तरह होतें हैं और दिल्ली महानगर की कानून–व्यवस्था बनाये रखने और अपराधों की रोकथाम में सिपाहियों व प्रधान सिपाहियों की अहम भूमिका होती है। दिल्ली पुलिस में काम करने वाले सिपाही को देश के किसी अन्य पुलिस संगठन के कर्मियों से कहीं ज्यादा और कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। दिल्ली में कई बार ऐसे मौके आते हैं जब पुलिसकर्मी अपराधों की रोकथाम के लिए अपनी जान तक गंवा देते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि दिल्ली पुलिस के जवान दिल्ली महानगर में नित् नई–नई चुनौतियों का सामना करते है। ऐसे समर्पण भाव से अपनी ड्यूटी करने वाले कर्मचारी की सदैव यही आकांक्षा होती है कि उसे भी समय पर पदोन्नति मिले, उसका हौसला–अफजाई हो। इसके



अलंकरण समारोह के दौरान राष्ट्रीय गान के सम्मान में मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री किरण रिजिजू, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर, अति. सचिव श्री एस.गोपाल रेडडी, पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा एवं विशेष पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक।

अलावा किसी भी कर्मचारी की पदोन्नति से उसका मनोबल बढ़ता है, आत्मसम्मान में वृद्धि होती है, उसमें सकारात्मक उर्जा का संचार होता है और उसकी पारिवारिक व सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि मैं, दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा दिल्ली पुलिस की विभिन्न पुलिस कॉलोनियों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल रहा हूँ और उस दौरान मैने महसूस किया कि पुलिसकर्मियों की पदोन्नति और आवास स्थिति में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर बदलाव की जरूरत है। कई जगह ऐसा भी देखने को मिला है कि 28 वर्षो तक सेवा करने के बाद भी सिपाही को समय पर पदोन्नति नहीं मिल पा रही। इस समस्या के समाधान के लिए मैने माननीय गृहमंत्री जी से इस मसले पर विस्तार से चर्चा कि और मुझे सकारात्मक प्रत्युत्तर मिला।

आदरणीय गृहमंत्री के निर्देश प्राप्त होने पर स्पेशल ग्रेड पदोन्नति की व्यापक स्तर पर रूपरेखा तैयार की गई। इस रूपरेखा के तहत सेवा



अलंकरण समारोह के मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करते हुए। साथ में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।

के 15 वर्ष पूरे करने वाले 9337 सिपाहियों को प्रधान सिपाही और 25 वर्ष पूरे करने वाले 9556 प्रधान सिपाही को सहायक उप–निरीक्षक पद पर स्पेशल ग्रेड पदोन्नतियाँ दी गई। इस तरह 18893 सिपाहियों एवं प्रधान सिपाहियों को स्पेशल ग्रेड पदोन्नतियाँ देकर प्रोत्साहित किया गया है। इससे पदोन्नतियों में आई स्थिरत को गति मिली। इसी तरह 51 निरीक्षकों, 121 उप–निरीक्षकों, 599 सहायक उप–निरीक्षकों, 941 प्रधान सिपाहियों और 924 सिपाहियों को स्थाई तौर पर अगले पदों पर पदोन्नत किया गया है जबकि 92 निरीक्षक, 283 उप–निरीक्षक, 204 सहायक उप–निरीक्षक, 2377 प्रधान सिपाही व 1342 सिपाहियों को अगले पदों का अस्थाई प्रभार (लुक–आफ्टर) सौंपा गया है। वर्ष 1977 में राष्ट्रीय पुलिस आयोग ने अपनी रिपोर्ट में भी उल्लेख किया है कि मध्यम और निचले स्तर के पुलिसकर्मियों को ज्यादा संख्या में पदोन्नति दी जानी चाहिए ताकि जाँच अधिकारी ज्यादा हो सके।

दिल्ली पुलिस ने एक नीतिगत फैसला लिया है जिसमें एक कर्मचारी को सेवाकाल के दौरान कम से कम तीन पदोन्नति मिल सके। मुझे हर्ष है कि दिल्ली पुलिस ने पदोन्नति के विशाल अवसर प्रदान करके उन्हें अपने कार्य के प्रति ज्यादा जवाबदेह और समर्पित होने के लिए प्रेरित किया है।

राजधानी में कानून–व्यवस्था को कायम रखना एवं अपराधों की रोकथाम करना दिल्ली पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व हैं। दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारी एवं कर्मी अपने इस दायित्व को बडी ही निष्ठा से निभाते रहे हैं। इस अवसर पर मैं पूरी दिल्ली पुलिस की ओर से माननीय गृहमंत्री के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने दिन–प्रतिदिन के हमारे कार्यों को सराहा और हमें अच्छा करने के लिए सदा प्रोत्साहित किया। उन्होंने हमेशा हमें देश की सर्वोत्तम पुलिस बल होने के नाते उभरती हुई चुनौतियों एवं जनता की अपेक्षाओं से अवगत कराया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अपराध की सभी श्रेणियों में कमी आई है। अपराध की गिरावट की दर न केवल संगीन अपराधों में है बल्कि अन्य महत्वूपर्ण अपराधों में भी



अलंकरण समारोह के दौरान पदोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों को स्टार लगाते हुए सम्मानित अतिथिगण एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

देखी जा सकती है। दिल्ली पुलिस राजधानी में महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्व है। इसके साथ ही इस वर्ष महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों में भी कमी आई है। संकट के समय वरिष्ठ नागरिकों को तत्काल पुलिस सहायता मिले इसके लिए दिल्ली पुलिस ने हाल ही में वरिष्ठ नागरिक मोबाइल एप की शुरूआत की है।

दिल्ली पुलिस ने जनता और पुलिस के बीच के आपसी समन्वय को बढ़ाने तथा पुलिस के प्रतिदिन के कामकाज में आम जनता का सहयोग प्राप्त करने की दिशा में **'पुलिस मित्र योजना'** की शुरूआत की है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रेरित इस योजना के तहत दिल्ली पुलिस ने इस योजना को क्रियान्वित करते हुए कई जिलों में सैकड़ों की संख्या में पुलिस मित्र बना कर उन्हें अपनी कार्यशैली में शामिल किया है।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने भी पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों के लिए कई सकारात्मक और कल्याकारी कदम उठाए हैं। पुलिस परिवारों में छिपे कौशल व कला को बढ़ावा दिया है और प्रतिभाओं को एक मंच उपलब्ध कराया है। जिसमें वजीफा कार्यक्रम काफी प्रशंसनीय और अनुकरणीय रहा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वजीफा कार्यक्रम के तहत 17 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को एक–एक लाख रुपये, 36 पुलिसकर्मियों के दिव्यांग बच्चों को 50–50 हजार रुपये, 41 प्रतिभाशाली छात्रों को 20–20 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई है। इसके बाद मेगा जॉब फेयर कार्यक्रम के तहत 333 पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों को प्राईवेट कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। दिल्ली पुलिस में कार्यरत महिलाओं को भी उत्कृष्ट कार्यो के लिए बारी से पहले तरक्की दिये जाने का प्रावधान किया गया है ताकि महिला पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़े और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त हों।



पदोन्नत हुई महिला कांस्टेबल को हैड कांस्टेबल की फीत लगाते हुए मुख्य अतिथि एवं पुलिस आयुक्त

पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने अपने सम्बोधन के अंत में मुख्य अतिथि माननीय गृहमंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह एवं दोनों केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री किरण रिजीजू और श्री हंसराज गंगाराम अहीर का दिल से आभार व्यक्त किया और दिल्ली पुलिस का मार्गदर्शन एवं सहयोग करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। श्री आलोक कुमार वर्मा ने समस्त दिल्ली पुलिस की तरफ से आश्वासन दिया कि दिल्ली पुलिस दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के लिए सतत् प्रयत्नशील रहेगी और आपकी आशाओं के अनुरूप काम करने में कभी भी पीछे नहीं रहेगी।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पुलिस अधिकारियों/कर्मियों एवं उनके परिजनों से खचाखच भरे स्टेडियम में जब अपना सम्बोधन शुरू किया तो स्टेडियम उनके प्रति कृतज्ञता भरे नारों से गूंजा उठा। मुख्य अतिथि महोदय ने **कहा कि ऐसा अद्भुत दृश्य मैंने कभी नहीं देखा**। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुका हूँ परन्तु पुलिसकर्मियों को इतने बड़े पैमाने पर पदोन्नतियों का अलंकरण समारोह मैंने कभी नहीं देखा। इसीलिए मैं विशेष रूप से श्री आलोक कुमार वर्मा व पूरे दिल्ली पुलिस परिवार को अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ। आज सचमुच हमारे लिए भी बेहद खुशी का दिन है। आज मैं अपनी खुशी के बारे में सोच रहा था कि मेरी खुशी कितने प्रकार की है। मैं इस नतीजे पर पहुँचा कि **आज खुशी के तीन आयाम हैं। एक तो इस समय प्रमोशन प्राप्त करने वाले पुलिस के जवानों की वर्दी में रैंक लगा रहा हूँ, दूसरी खुशी उनके चेहरे की खुशी को देखकर और तीसरी खुशी पदोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों की वर्दी पर बैंज/स्टार लगाते समय उनके परिजनों की खुशी।**

इसीलिए मैंने कहा हमारी खुशी के तीन आयाम हैं। मैं इसे विडम्बना ही मानता हूँ कि वर्षों का समय गुजर जाता है फिर भी पुलिस विभाग और पैरा मिलिट्री फोर्सिस में काम करने वाले जवानों को प्रमोशन पूरी जिंदगी नहीं मिल पाती। या फिर जब अपनी रिटायरमेंट के करीब पहुँचते हैं तब जाकर कोई प्रमोशन मिल पाता है, वो भी मिल गया तो ठीक नहीं तो वो भी नहीं मिलता। लेकिन आज जब यह दृश्य मैं देख रहा हूँ और दिल्ली पुलिस के संबंध में मुझे श्री आलोक कुमार वर्मा जी ने बताया कि वर्षों से प्रमोशन नहीं हुए हैं तो मैंने कहा जिनका भी प्रमोशन हो सकता है बेधड़क उनका प्रमोशन करिए।



आईजीआई स्टेडियम में उपस्थित पदोन्नति पाने वाले हजारों पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं कुशल नेतृत्व के लिए सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि

पुलिस आयुक्त ने बड़ी तत्परता से इस जिम्मेदारी का निर्वाह किया है। मैं जानता हूँ कि इस वर्दी का सम्मान और प्रतिष्ठा आप अच्छी तरह से समझते हैं। मेरा मानना है कि दिल्ली पुलिस हिन्दुस्तान की सबसे बेहतर पुलिस है और इसकी प्रतिष्ठा को और अधिक बढ़ाने में आप पूरी तरह से योगदान करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। मैं जानता हूँ कि पुलिस केवल कठिन ही नहीं होता है बल्कि चुनौतीपूर्ण भी होता है। उत्तर प्रदेश का मुख्य मंत्री रहते हुए मैंने अनुभव किया है कभी–कभी ऐसे भी अवसर आते हैं जब हमारे पुलिस के जवानों और अधिकारियों को 10 घन्टे, 12 घंटे की ही नहीं बल्कि लगातार 36–36 घन्टे की ड्यूटी भी करनी पड़ती है। फिर भी मैंने देखा है कि बखूबी वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हैं। थकावट रहती है चेहरे पर, मैं जानता हूँ कि बहुत सारे लोग पुलिस के जवानों की मजबूरियों को समझ नहीं पाते। यदि आपकी साख और विश्वसनीयता जन–सामान्य में बनी हुई है तो मैं समझता हूँ कि पुलिसिंग का आधा काम अपने आप हो जाता हैं। दिल्ली भारत की राजधानी है यहाँ की जनसंख्या 2 करोड़ है और लाखों की संख्या में फ्लोटिंग जनसंख्या यहाँ आती है, विश्व के पर्यटक व छात्र यहाँ घूमने व पढ़ाई के लिए भी आते रहते हैं। दिल्ली केवल राजनैतिक गतिविधियों का ही केन्द्र नहीं है बल्कि राजनैतिक के साथ–साथ आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का भी केन्द्र है। इसलिए अन्य राज्यों से दिल्ली की स्थिति सर्वथा भिन्न है। इसलिए दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो जाती है। फिर भी दिल्ली पुलिस बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रही है। मैं आपसे इतना ही कहना चाहूँगा कि यदि कभी अनजाने में कोई बेगुनाह आपकी ग्रिप में आ जाता है तो बेगुनाहों को छोड़ने में कभी भी कोई जरा–सा भी संकोच न करे। **एक ही फार्मूला हमको याद रखना चाहिए कि बेगुनाह फंसे नहीं और गुनाहगार बचे नहीं।** मैं अपनी तरफ से यकीन दिलाना चाहता हूँ कि किसी भी अपराधी को छोड़ने के लिए किसी भी प्रकार का राजनैतिक दबाव पुलिस पर नहीं पड़ेगा, चाहे इस समय के पुलिस आयुक्त हों। चाहे इससे पहले के पुलिस आयुक्त ही क्यों न हों। उन्होंने कहा कि मेरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में कोई यह नहीं कह सकता कि अपराधी को छोड़ने के लिए कोई राजनैतिक दबाव पड़ा हो। मैं यही कहना चाहूँगा कि कोई शातिर अपराधी है तो किसी भी सूरत में उसे छोड़ने के लिए कोई दबाव मत मानिए। मैंने जिस समय गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी तो यह कहा था कि मुझे कभी–कभी शिकायतें मिलती हैं सामान्य जन द्वारा कि साहब जब हम एफआईआर दर्ज कराने जाते हैं तो एफआईआर दर्ज नहीं होती है। उस समय के पुलिस आयुक्त मिस्टर बस्सी को मैंने कहा था कि आप इस बात की चिन्ता मत करिये कि हमारे अपराध के ऑकड़े अधिक हो गए हैं तो सारे देश में हमारी प्रतिष्ठा धूमिल हो जाएगी, हमारी इज्जत पर आँच आएगी इसकी चिन्ता मत करिये। जो भी एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुँचता है तो उसकी एफआईआर दर्ज कीजिए। उसका जो भी जवाब देना होगा मैं संसद में जवाब देने को तैयार हूँ। लेकिन एक भी शख्स ऐसा नहीं होना चाहिए कि जिसकी एफआईआर दर्ज न की जाए। जब आपकी ट्रेनिंग हुई होगी उस समय भी आपको बतलाया गया होगा पुलिस



अलंकरण समारोह में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सुचना पटनायक एवं डॉ. सुशी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने भी पदोन्नति पाने वाले पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित किया। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने अपने सम्बोधन में समिति द्वारा किये गए कल्याणकारी कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए उनकी जमकर सराहना की



1997 बैच के उपनिरीक्षकों ने पदोन्नति पाने की खुशी में द्वारका से अलंकरण समारोह स्थल तक 17 किलोमीटर लम्बी दौड़ लगाकर मुख्य अतिथि के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। उपायुक्त पुलिस दक्षिणी-पश्चिमी जिला श्री सुरेन्द्र सिंह ने पदोन्नत हुए इन इंस्पेक्टरों को हरी झंडी दिखाकर समारोह स्थल के लिए रवाना किया।

पीपल फ्रेंडली होनी चाहिए। लोगों को यह एहसास होना चाहिए कि पुलिस हमारी दोस्त है। इसके लिए क्या–क्या किया जा सकता है मुझसे बेहतर आप जानते हैं मुझे बताने की जरूरत नहीं। जनता का अधिकतम विश्वास हम कैसे हासिल कर सकते हैं। इसके लिए भी हमारा सतत प्रयत्न चलता रहना चाहिए। मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूँ ऐसी कई घटनायें हैं जिनसे मैं अच्छी तरह अवगत हूँ कि यदि पुलिसकर्मी का जनता के साथ दोस्ताना रिश्ता रहता है तो कभी–कभी जनता द्वारा उसे ऐसी इन्टेलीजेंस इन्पुट हासिल होती है, ऐसी–ऐसी जानकारियाँ प्राप्त होती हैं जिनके आधार पर पुलिस काम करती है तो पुलिस की प्रतिष्ठा अपने आप लोगों के बीच बढ़ जाती है। नोटबंदी के मामले में आपने देखा कि जिन लोगों ने अनाप–शनाप गलत हरकत करने की कोशिश की उनकी जानकारी जनता के लोगों ने ही दी। इसे व्हिसल ब्लोअर कहते हैं। किसी भी अपराध के लिए व्हिसल ब्लोअर का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। हम सबको सावधानी बरते की जरूरत है। दिल्ली पुलिस का जहाँ तक प्रश्न है, दिल्ली में छोटी–सी घटना होने पर नेशनल न्यूज बन जाती है। इसलिए आप लोगों को और ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। दिल्ली की जनता को बराबर यह एहसास हो कि पुलिस हमारे साथ है। इसीलिए मैंने पुलिस आयुक्त से पहले भी यह कहा था कि हमारे पुलिस के अधिकारियों व जवानों की टीम बनाकर घंटा दो घंटा सड़कों पर जनता के बीच गश्त करनी चाहिये, जनता आपको सिर आँखों पर बिठा लेगी। जनता के अंदर एक विश्वास पैदा होगा और हमें इस बात का बराबर ध्यान रखना चाहिये कि हमारे पास ये जो वर्दी है, इस वर्दी के कारण लोगों में सेन्स ऑफ फियर नहीं, सेन्स ऑफ कान्फिडेंस होना चाहिये। समय–समय पर पुलिस बल में क्या सुधार करने की आवश्यकता है, इस पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिये। मैं यह भी कहूँगा कि पुलिस आयुक्त को महीने डेढ़ महीने में अपने सारे अधिकारियों के साथ बैठकर पुलिस की वर्दी को और बेहतर बनाने के लिए विचार–विमर्श करना चाहिए। दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त अफसरों के अनुभवों का हमें फायदा उठाना चाहिए और ताकि हम अपनी कार्यशैली को और बेहतर बना सकें। यह सिलसिला निरंतर चलते रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ महीने पहले शंघाई (चीन) जाने का अवसर मिला तो मैंने लोगों से पूछा कि यहाँ सीसीटीवी कैमरे कितने हैं मुझे बताया गया कि 80,000 सीसीटीवी कैमरे हैं इसीलिए यहाँ कोई भी घटना घटने पर मिनटों में पुलिस वहाँ पहुंच जाती है। सीसीटीवी जनता की सुरक्षा के लिए है इसीलिए हमारे यहाँ भी जनता सीसीटीवी लगवाने में आपका सहयोग करेगी। मैं समझता हूँ कि यह स्थिति हमें भी यहां बेहतर करने की आवश्यकता है। मुझे जानकारी है कि यहां पर एक कमाण्ड



अलंकरण समारोह में उपस्थित पुलिसकर्मी एवं उनके परिजन हर्षोल्लास मुद्रा में





राष्ट्रगान के सम्मान में वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

कन्ट्रोल सेन्टर है। जिसे अधिक प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए क्या किया जा सकता है इस संबंध में एक बार मैं सारे उच्च अधिकारियों के साथ चर्चा करूंगा। आज के अवसर पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता।

दिल्ली पुलिस में **पर्याप्त बल नहीं है**, मैं ऐसा मानता हूँ। आज केवल **85 हजार ही आपकी स्ट्रेंथ है**। लेकिन मैं यह महसूस करता हूँ कि **ये और अधिक होनी चाहिए**। मैं चाहता हूँ कि ड्यूटी करने के बाद पुलिस के जवानों को भी अवकाश के अवसर मिलें। गृहमंत्रालय के माध्यम से 15 हजार और जवानों की भर्ती के लिए वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा। मैं समझता हूँ कि उस संबंध में जल्द ही वहां से अनुमोदन प्राप्त होगा। हम अतिरिक्त पुलिस बल की नियुक्ति कर सकेंगे। मैं यह कहना चाहूँगा कि हम सब यहां प्रमोशन के अवसर पर एकत्रित हुए हैं जिसका यह अलंकरण समारोह सम्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि यहाँ तो प्रमोशन की बरसात हुई है और शायद कहीं पर भी एक बार में इतनी बड़ी संख्या में प्रमोशन तो नहीं हुए होंगे। अब आज हम इस दिन यहाँ इकट्ठे हुए हैं जब वर्ष 2016 का अन्तिम दिन है। आज रात्रि 12 बजे के बाद हम लोग 2017 के नए वर्ष में प्रवेश करने वाले हैं। मैं आप सबका आह्वान करना चाहता हूँ कि हम सब अपने घर यह संकल्प लेकर जाएं कि 2017 में दिल्ली पुलिस जन–सामान्य का और अधिक विश्वास हासिल करने में कामयाबी हो। मुख्य अतिथि महोदय ने कहा कि आज के इस मौके पर इससे ज्यादा कुछ न कहते हुए मैं पुनः आप सभी को इस पदोन्नति के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और नए वर्ष के लिए दिल की गहराइयों से हार्दिक शुभकामनायें देते हुए अपना निवेदन समाप्त करता हूँ।



राष्ट्रगान के सम्मान में पुलिसकर्मी एवं उनके परिवार

झाड़ौदा कलां स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में पासिंग आउट परेड सम्पन्न



2 दिसम्बर, 2016 को झाड़ौदा कंला स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में प्रशिक्षु एसआई एवं प्रशिक्षु कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड सम्पन्न हुई। समारोह के मुख्य अतिथि **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने परेड की सलामी ली और प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया। इस मौके पर वि.पु.आ. (प्रशासन) श्री अमूल्य पटनायक, वि.प.आ. (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार, वि. पु.आ. (कानून–व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के.सिंह,वि.पु.आ. (अपराध) श्री ताज हसन, वि.पु.आ. (यातायात) श्री अजय कश्यप, वि.पु.आ. (वूमन सेफ्टी एंड पुलिस मॉर्डनाइजेशन) श्रीमती एस. सुन्दरी नंदा, वि.पु.आ. (वेलफेयर) श्री एस.बासुदेव राव, सं0पु0आ0 (पीएंडआई) श्री ए.के.सिंह, सं.पु.आ. (दक्षिण–पश्चिमी परिक्षेत्र) श्री दीपेन्द्र पाठक, प्रधानाचार्य श्री भैरों सिंह गुज्जर व उप–प्रधानाचार्य श्री रवि शंकर, पास–आउट होने वाले प्रशिक्षुओं के परिजन व मीडिया के सदस्यों के साथ–साथ भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। पास–आउट होने वाले प्रशिक्षणार्थियों में 96 एसआई जिनमें 10 महिला एसआई भी शामिल हैं तथा 27 प्रशिक्षु कांस्टेबल जिनमें 9 बिगुल वादक, 8 बैंड वादक तथा 10 घुड़सवार शामिल हैं।

पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने सर्वप्रथम प्रशिक्षुओं द्वारा प्रदर्शित शानदार परेड की प्रशंसा की और लॉ व ड्रिल स्टाफ के साथ–साथ प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण समाप्त कर पुलिस बल में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आप सब युवा व जोशीले हैं इसीलिए अपने कर्तव्य पालन के दौरान जनता के साथ मानवीय दृष्टिकोण का हमेशा ख्याल रखें और निष्पक्षता के साथ काम करते हुए जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित करें। उन्होंने कहा कि अपराध की प्रवृत्ति और तौर–तरीके बदल रहे हैं इसीलिए आपको भी आधुनिक तकनीक तौर–तरीकों में दक्ष हाने की जरूरत रहेगी। आप सभी राजधानी दिल्ली में जनता की सेवा करेंगे तो आपके सामने आतंकवाद, महिलाओं, बुजुर्ग व बच्चों की सुरक्षा, कमजोर वर्ग की सुरक्षा, साइबर क्राइम व संगीन अपराधों के साथ–साथ यातायात प्रबंधन से निपटने की चुनौतियाँ रहेंगी। ऐसी चुनौतियों से निपटने के दौरान आम जनता के बीच भरोसा कायम रखना भी एक बड़ी चुनौती रहेगी। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कानून, पुलिस विज्ञान, अपराध, कंम्पयूटर, साइबर क्राइम, मानव अधिकार, अनुशासन व अच्छे व्यवहार का जो प्रशिक्षण पाया है, वह आपको ड्यूटी निष्पादन के दौरान सहायक सिद्ध होगा। श्री वर्मा जी ने कहा कि बिगुल वादक, बैंड वादक व घुड़सवार दस्ता दिल्ली पुलिस की विभिन्नताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभिन्न राज्यों से दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों में दिल्ली से–22, हरियाणा से–34, उत्तर–प्रदेश से–23, राजस्थान से–7, बिहार से–2, मध्यप्रदेश से–02, उत्तराखंड से–02 व चंडीगढ़ व हिमाचल प्रदेश से एक–एक प्रशिक्षाणार्थी शामिल हैं, जो दिल्ली पुलिस में अनेकता में एकता का को परिभाषित कर रहे हैं। प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टरों में 4 एमबीए, 2 एमटेक, 32 बीटेक, 3 एलएलबी, 2 एमसीए, 1 बीफार्मा 16 पोस्ट ग्रेजुएट व 36 ग्रेजुएट शामिल हैं जबकि कांस्टेबलों में 1 पोस्ट–ग्रेजुएट, 18 ग्रेजुएट तथा 8 इंटरमीडिएट पास हैं।

परेड समाप्ति पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने प्रशिक्षु सब–इंस्पेक्टर जितेंद्र को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु, प्रशिक्षु सब–इंस्पेक्टर भगवान सिंह को इंडोर में श्रेष्ठ, तथा प्रशिक्षु सब–इंस्पेक्टर प्रियांक को कमांडो में श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किये जाने पर ट्राफी प्रदान की। पुलिस आयुक्त महोदय ने **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार, प्रधानाचार्य पीटीसी श्री भैरों सिंह गुज्जर** को भी शानदार प्रशिक्षण प्रबंधन के लिए बधाई दी।



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने उप-प्रधानाचार्य श्री रवि शंकर द्वारा लिखित पुस्तक 'उर्दू-हिन्दी व अंग्रजी- शब्द संग्रह' का विमोचन भी किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे

पार्लियामेंट स्टेंडिंग कमेटी की महिला सदस्यों का पुलिस मुख्यालय दौरा



पार्लियामेंट स्टेंडिंग कमेटी की वरिष्ठ सदस्या का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त

23 दिसम्बर, 2016 को पार्लियामेंट स्टेंडिंग कमेटी की सात महिला सदस्यों ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने इन महिला सदस्यों का स्वागत किया और कांफ्रेंस हॉल में महिलाओं की सुरक्षा तथा पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। पार्लियामेंट स्टेंडिंग कमेटी की सदस्यों ने दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाये गये प्रभावी कदमों और इस सम्बन्ध में भविष्य की रूपरेखा के बारे में जानकारी हासिल की। परिचर्चा के बाद महिला सदस्यों ने पुलिस नियंत्रण कक्ष का दौरा किया। विशेष पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल ने इन महिला सदस्यों को पुलिस नियंत्रण कक्ष की कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर स्वयं पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने भी स्टेंडिंग कमेटी की इन सम्मानित महिला सदस्यों को पुलिस नियंत्रण कक्ष के बारे में जानकारी दी।



पुलिस नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए पुलिस आयुक्त



दिल्ली पुलिस स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त

हॉफ मैराथन दौड़ में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी अपनी स्फूर्ति और जज़्बे की धाक जमाई



20 नवम्बर, 2016 को आयोजित एयरटेल दिल्ली हॉफ मैराथन दौड़ में दिल्ली पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी दिखाया कि वे अपनी व्यस्त ड्यूटी के बावजूद फिटनेस और स्फूर्ति के प्रति सजग रहते हैं। इस हॉफ मैराथन दौड़ में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा, उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री संजय भाटिया, व एसआई हीरालाल बालियान** सहित कई महिला पुलिसकर्मियों ने भी हिस्सा लिया। जवाहर लाला स्टेडियम से शुरू होकर साई बाबा मंदिर, इंडिया गेट, जंतर–मंतर, व रिजर्व बैंक के पीछे से होते हुए लगभग 21.97 किलोमीटर की यह मैराथन दौड़ जवाहर लाल स्टेडियम में ही समाप्त हुई। इस दौड़ में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उपायुक्त पुलिस विजय सिंह प्रारंभ से लेकर अपने अंतिम लक्ष्य तक निर्बाधित दौड़ते रहे। 55 वर्षीय एसआई हीरा लाल बालियान ने पूर्व की भांति इस वर्ष भी सफलतापूर्वक लगभग 22 किलोमीटर की दौड़ को पूरा किया। वर्ष 2009 से लगातार हॉफ मैराथन दौड़ में भाग लेने वाले एसआई हीरालाल को हर वर्ष नई पहचान मिलती है और आयोजकों ने उसे अन्य पुंलिसकर्मियों के लिए एक प्रेरणास्रोत्र बताया। एसआई हीरा लाल न केवल स्वयं अपनी फिटनेस के लिए निरंतर अभ्यास करते है बल्कि अपने इलाके के बच्चों को भी फिटनेस के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें निःशुल्क ट्रैनिंग देते है। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** भी धावकों की हौसला–अफजाई के लिए जवाहर लाल स्टेडियम में मौजूद थे।



दिल्ली पुलिस ने कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रति पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जागरूक किया।

3 दिसम्बर, 2016 को दिल्ली पुलिस ने श्रीफोर्ट ऑडिटोरियम में **''कैशलेस ट्रांजेक्शन जागरूकता अभियान''** कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर **केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर** मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में दिल्ली **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी, भाजपा सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी**, विधाानसभा में नेता प्रतिपक्ष **श्री विजेंद्र गुप्ता, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के.सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था दक्षिणी) श्री पी. कामराज** मंच पर उपस्थित थे। इस जागरूकता अभियान में



केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा



मंच पर आसीन मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, श्री मनोज तिवारी, श्री बिजेन्द्र गुप्ता एवं दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

दिल्ली पुलिस के 1200 पुलिसकर्मी, 250 पुलिस मित्र, दिल्ली की लगभग 350 आवास कल्याण समितियों के सदस्य और विभिन्न मार्केट एसोसिएशनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज गंगाराम अहीर ने दिल्ली पुलिस के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि पुलिस ने विमुद्रीकरण के मौके पर दिल्ली के विभिन्न बैंकों एवं एटीएम पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में काफी मेहनत की है। इसके साथ ही पुलिस ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों विशेष कर ग्रामीणों और किसानों को कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया है। कार्यक्रम में उपस्थित एक्सिस बैंक के प्रतिनिधियों ने भी पुलिसकर्मियों, आवास कल्याण समितियों व मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को मोबाइल एप डाउनलोड करने, फोन रिचार्ज करने, बिल पेमेंट करने व कैशलेस बैंकिग करने के प्रभावशाली लाभों के बारे में विस्तार से बताया। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने भी कैशलेस ट्रांजेक्शन के फायदों के बारे में विस्तार से बताया और इसे अपनी दिनचर्या में अपनाने पर जोर दिया।



कैशलेस ट्रांजेक्शन जागरूकता अभियान में जानकारी हासिल करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं विभिन्न आवास कल्याण समितियों व मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारी

नवभारत टाइम्स की 'हेल्प ए स्टार कैंपेन से 15 जरूरतमंद बच्चों को 80 लाख रुपये की भारी आर्थिक मदद मिली

(पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने बच्चों को मदद के चैक बांटे)



23 दिसम्बर, 2016 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉंफ्रेंस हॉल में नवभारत टाइम्स की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले 15 जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक मदद के चैक वितरित किये। इस अवसर पर नवभारत टाइम्स के **एग्जिक्यूटिव एडिटर श्री संजय खाती**, व **रेजिडेंट एडीटर श्री विरेन्द्र वर्मा** की टीम के अलावा **उपायुक्त पुलिस (सामान्य प्रशासन) श्री राजीव रंजन** व आर्थिक मदद पाने वाले बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे। नवभारत टाइम्स' ''हेल्प ए स्टार कैंपेन'' कार्यक्रम के अन्तर्गत हर वर्ष ऐसे होनहार बच्चों की आर्थिक मदद करता है जो अपनी मेहनत व लगन से अच्छे अंकों के बावजूद आर्थिक दिक्कतों के कारण अपने सुनहरे सपनों को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते और अपनी आगे की पढ़ाई छोड देते हैं। नवभारत टाइम्स अपने पाठकों की मदद से ऐसे होनहार बच्चों की हौसला–अफज़ाई करके उनके सुनहरे सपनों को पंख लगाने का एक प्रशंसनीय काम करता है। कार्यक्रम के दौरान नवभारत टाइम्स की टीम ने कहा कि हमने इस नेक काम के लिए श्री आलोक कुमार वर्मा का चयन इसलिए किया है कि श्री वर्मा काम में विश्वास करते है, गंभीरता से करते है और दिखावे से दूर रहते हैं। इसीलिए नवभारत टाइम्स इस वर्श इन बच्चों का हौसला–अफजाई करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा का चयन किया था।

श्री आलोक कुमार वर्मा ने दिल्ली एनसीआर, मुंबई और लखनऊ से चुने गये 15 बच्चों की हौसला–अफजाई करते हुए उन्हें रुपये 4,10,000 से लेकर 8,60,000 तक के चैक भेंट किये। नवभारत टाइम्स समाचार पत्र की इस पहल की प्रशंसा करते हुए श्री आलोक कुमार वर्मा ने कहा कि **एनबीटी** द्वारा समाज हित में यह बहुत ही सराहनीय काम किया जा रहा है जिसे निरंतर जारी रखे जाने की जरूरत है। मैं, एनबीटी को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि बहुत से ऐसे होनहार बच्चे होते हैं जो होनहार है, अच्छी सफलता अर्जित करने की योग्यता रखते है, परन्तु संसाधनों की कमी की वजह से अपना मुकाम हासिल नहीं कर पाते। एनबीटी पिछले 4 वर्षो से हेल्प ए स्टार कैंपेन चला रहा है और इसके अंतर्गत एनबीटी के पाठक ही जरूरतमंद बच्चों के नाम से चैक देते है और वह पैसा सीधे बच्चों के बैंक खाते में जमा हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस कैंपेन में कुछ चुनिंदा बच्चों को ही मदद मिली है। इससे पता चलता है कि बच्चों के चयन करने का जो मापदंड रहा होगा वह कितना कठिन रहा होगा।







पुलिस मुख्यालय में शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होगा जिसके कार्यालय में इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह कलकल द्वारा उस अधिकारी का बनाया हुआ कार्टून चित्र न टंगा हो। किसी भी शख्सियत पर तत्काल कार्टून बनाने में निपुण कलकल ने 'मुंडेरों पर चिराग' नामक पुस्तक की रचना की। गज़लों पर आधारित पुस्तक 'मुंडेरों पर चिराग' की एक प्रति पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा को भेंट करते हुए इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह कलकल।

भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में ट्रैफिक पेवेलियन का उद्घाटन









15 नवम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने **भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले** में **ट्रैफिक पेवेलियन** का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, श्री पी.कामराज, श्री ताज हसन, श्री अरविन्द दीप, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्रीमती गरिमा भटनागर, उपायुक्त पुलिस श्री विजय सिंह** एवं **होंडा प्राइवेट लिमिटेड** के **वरिष्ठ अधिकारी** मौजूद थे। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के छात्र/छात्राएँ भी उपस्थित थी। इस वर्ष ट्रैफिक पेवेलियन का थीम था **''नॉ रोड सेफ्टी–अवाइड रोड मिशहैप'** यानि सड़क सुरक्षा नियमों को जानिए और सड़क दुर्घटनाओं से बचिए। स्कूली छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाटकों के माध्यम से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के बारे में अवगत करा कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने स्कूली छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं को यातायात प्रहरी बनना चाहिए और न केवल स्वयं यातायात नियमों का पालन करना चाहिए बल्कि अपने अभिभावकों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना चाहिए। बच्चों द्वारा माता–पिता को यातायात नियमों के बारे में कही बातें ज्यादा गहरी छाप छोड़ती हैं। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से यातायात पुलिस ने 16 से 27 नवम्बर के बीच अपने पेवेलियन में स्कूली छात्र/छात्राओं को वीडियो गेम्स, क्विज प्रतियोगिता, साइकिलिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। इस मौके पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया लिमिटेड के सेल्स एंड मार्केटिंग के सीनियर वाईस प्रेजीडेट **श्री वाई.एस. गुलेरिया** ने कहा कि एक जिम्मेवार कॉरपोरेट होने के नाते हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है कि देश के नागरिकों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में दिल्ली यातायात पुलिस की मदद करें।





सीलमपुर इलाके में उपायुक्त पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला कार्यालय की नव–निर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन

9 दिसम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने सीलमपुर इलाके में उपायुक्त पुलिस उत्तर–पूर्वी जिला कार्यालय की नव–निर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री अमूल्य पटयानक, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के.सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री अजय कश्यप, विशेष पुलिस आयुक्त (पीएंडआई) श्री एस. नित्यानंदम, विशेष पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र) श्री मुकेश कुमार मीणा, संयुक्त पुलिस आयुक्त (पीएंडआई) श्री ए.के. सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र) श्री सतीश गोचला, उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी) श्री आर.के.संजीव, उपायुक्त पुलिस (उत्तर–पूर्वी जिला) श्री ए.के.सिंगला,**









उपायुक्त पुलिस (पूर्वी जिला) श्री ओमबीर सिंह तथा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, मीडिया के सदस्य और बिल्डिंग बनाने वाली कंपनी 'रायटस' के अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मियों और गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं अपने कैरियर के प्रारंभिक दौर में और बाद में संयुक्त आयुक्त पुलिस के तौर पर इलाके में लोगों की सेवा कर चुका हूँ। यहां साम्प्रदायिक सद्भावना बनाए रखने पर विशेष ध्यान की जरूरत होती है। इस इलाके में नया जिला बनने से अब आबादी के हिसाब से पुलिस की मौजूदगी ज्यादा होगी और नागरिकों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न होगी। नव–निर्मित बिल्डिंग में सभी आधुनिक सुविधाओं का ध्यान रखा गया जिससे अच्छे माहौल और अच्छे वातावरण में पुलिसकर्मी अपने काम के प्रति उत्साहित होंगे।







दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति में दिव्यांग, मेधावी छात्रों और कुशल

12 नवम्बर, 2016 को इंदिरा गांधी स्टेडियम में दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की ओर से **''तराना''** नाम से एक गीत–संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया जबकि **श्रीमती अरूणी डोवल** ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था उत्तरी) श्री एस.बी.के सिंह, समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा, श्रीमती सूचना पटनायक, श्रीमती सन्तोष कुमार, श्रीमती (डॉ0) सुशी सिंह, श्रीमती गीता पाठक** सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सूफी गायक श्री कैलाश खेर, भोजपुरी गीतकार, कलाकार व भाजपा सांसद श्री मनोज तिवारी, प्रसिद्ध फैशन डिज़ानइर सुश्री रितु बेरी, ओलंपियन पहलवान श्री सुशील कुमार, क्रिकेटर श्री शिखर धवन, पूर्व पुलिस आयुक्त श्री अजय कुमार शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती नीरजा शर्मा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक तथा उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा की कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति रही। दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सभी जिला/यूनिटों में तैनात पुलिसकर्मियों के छोटे बच्चों एवं युवाओं ने भाग लिया। तराना कार्यक्रम की विशेष बात यह भी रही कि इसमें सबसे ज्यादा सिपाही, प्रधान सिपाही व सहायक उप–निरीक्षकों के बच्चों ने भाग लिया और अपनी सांस्कृतिक, लोक संगीत व देशभक्ति से ओत–प्रोत अभिव्यक्ति से समां बांध दिया।

तराना कार्यक्रम का उद्देश्य अपनी समय–असमय और लम्बी डयूटियों की वजह से अपने बच्चों व परिवारों से दूर



द्वारा आयोजित कार्यक्रम ''तराना'' खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया

रहने वाले पुलिसकर्मियों को उनके परिवारों से जोड़ना, उनके बीच सकारात्मक माहौल उत्पन्न करना है ताकि पुलिसकर्मी अपने परिवार की तरफ से मानसिक तौर पर और तनावमुक्त रह कर आम जनता की सेवा करें। कार्यक्रम में उपस्थित मशहूर थियेटर डायरेक्टर श्री आमिर रजा हुसैन ने कहा कि **''पहली बार पुलिस वालों को इंजाव्य करते हुए देखा है''।** इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित सभी आमंत्रित अतिथियों और पुलिसकर्मियों ने समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की वेब–साइट का भी उद्घाटन किया गया।

दिल्ली पुलिस परिवार समिति द्वारा पिछले दिनों शुरू की एक प्रशंसनीय पहल **'वज़ीफा'** कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों के दिव्यांग, मेघावी और कुशल खिलाड़ियों की आर्थिक मदद कर उनकी हौसला–अफजाई की। समिति द्वारा दिव्यांग को ट्राइसिकल मुहैया कराई गई, उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले मेघावी छात्रों को आर्थिक मदद दी गई जबकि विभिन्न प्रकार के खेलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले खिलाड़ियों को उपस्थित प्रसिद्व खिलाड़ियों ने खेल के क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन किया और समिति ने आर्थिक मदद की।

''तराना'' कार्यक्रम में ऐसे पुलिसकर्मियों ने विशेष तौर पर अपने परिजनों सहित भाग लिया जो पुलिस प्रशासन द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप दिये गये स्पेशल ग्रेड से लाभान्वित हुए थे। पुलिस प्रशासन के इस कदम से अधीनस्थ पुलिसकर्मियों में स्फूर्ति व उमंग का संचार देखते ही बन रहा था। पिछले दिनों पुलिस प्रशासन ने लगभग 25 हजार सिपाहियों व प्रधान सिपाहियों को स्पेशल ग्रेड से सम्मानित किया गया था। इतनी भारी संख्या में पदोन्नति पाने वाले पुलिसकर्मियों के जीवन में निःसंदेह सामाजिक, पारिवारिक एवं मानसिक स्तर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष 'रैम्प वाक' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कई प्रसिद्ध हस्तियों के साथ–साथ पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा व समिति की अध्यक्षा **श्रीमती शेफाली वर्मा** ने दिव्यांग बच्चों के साथ रैम्प–वाक किया। पहलवान श्री सुशील कुमार एवं गायक **श्री कैलाश खेर** ने भी दिव्यांग बच्चों के साथ रैम वाक में हिस्सा लिया। फैशन शो के अलावा गीत–संगीत व नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया।









दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पुलिसकर्मियों के बच्चों और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के कल्याणार्थ एवं रचनात्मक कदम
(समिति द्वारा एक विशाल मेगा जॉब फेयर का का सफल आयोजन)







दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा 30 नवम्बर, 2016 को नई पुलिस लाइन किंग्जवे कैम्प में **''मेगा जॉब फेयर''** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली पुलिसकर्मियों के बच्चों, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों और आम जनता के योग्य उम्मीदवारों के लिए मेगा जॉब फेयर के तहत रोजगार उपलब्ध कराने का बड़ा कल्याणकारी कदम और रचनात्मक पहल थी। **कायरा इंटरप्राईज़ेज** की मदद से दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा आयोजित इस बेजोड़ मौके पर 70 प्रसिद्ध राष्ट्रीय व बहु–राष्ट्रीय कंपनियॉ जैसे विप्रो, ऑटोमोबाइल, आईटी, सोफ्टवेयर इंजीनियर, इंश्योरेंस ऐजेंट व रिटेल, मोबाइल व अन्य मामलों से जुड़ी कंपनियों ने भाग लिया और पुलिस परिवारों से जुड़े योग्य युवकों को रोजगार के अवसर प्रदान किये। दिल्ली पुलिस परिवारों से जुड़े लगभग 7,000 इच्छुक बेरोजगार युवकों ने स्वयं को पंजीकृत कराया और 25 से 27 नवम्बर, 2016 के बीच विभिन्न जिलों में लगाये गये परामर्श केन्द्रों में भाग लिया। दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित पहले मेगा जॉब फ़ेयर का उद्घाटन पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने किया। समिति की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सुचना पटनायक ने समिति के प्रयासों पर प्रकाश डाला और कायरा इंटरप्राइज़ेज की मदद से आयोजित मेगा जॉब फेयर के बारे में विस्तार से बताया। दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा प्रकाशित **''कोशिश–एक आशा''** पत्रिका के दूसरे संस्करण का पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा द्वारा उद्घाटन किया गया। श्री वर्मा जी ने समिति द्वारा किये जा रहे कल्याणकारी प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति की सदस्या निःस्वार्थ भाव

से इतने बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं, वास्तव में सभी बधाई की पात्र हैं। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा **श्रीमती शेफाली वर्मा, उपाध्यक्ष श्री सुचना पटनायक, श्रीमती (डॉ0) सुशी सिंह, श्रीमती संतोष कुमार, श्रीमती गीता पाठक, श्रीमती वंदना कुमारी** सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं वेलफेयर सेंटर से जुड़ी महिलाएँ उपस्थित थी। समिति की वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीमती (डॉ0) सुशी सिंह ने पिछले दिनों समिति द्वारा प्राप्त उपलब्धियों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। डॉ0 सुशी सिंह समिति द्वारा आयोजित विशाल कार्यक्रम'' मेगा जोब फेयर'' की समाप्ति पर वोट ऑफ थेंक्स देते हुए आत्मविभोर हो गई। कार्यक्रम के सफल संचालन में उनकी निपुण प्रस्तुति को सभी ने सराहा। समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने समिति द्वारा पिछले दिनों आयोजित कार्यक्रमों की सुःखद अनुभवों पर प्रकाश डाला और समिति से जुडी सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने समिति की पदाधिकारियों द्वारा निःस्वार्थ भाव से निरंतर किये गये प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समिति भविष्य में भी अपने कल्याणकारी प्रयासों में सफल होगी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस परिवारों से जुड़े 41 दिव्यांग बच्चों को उनके उज्ज़वल भविष्य के लिए 50–50 हजार रुपये की नकद मदद दी गई जबकि कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राण गंवाने वाले 17 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को एक–एक लाख रुपये की आर्थिक मदद दी गई। इस दौरान शिक्षा व खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले 36 पुलिसकर्मियों के बच्चों को 20–20 हजार रुपये की मदद देकर उनकी हौसला–अफजाई की गई। मेगा जॉब फेयर के दौरान 4858 युवकों ने स्वयं को पंजीकृत कराया था जिनमें 4202 बच्चें पुलिस परिवार से जुड़े थे जबकि 656 आम जनता से जुड़े युवक शामिल थे। मेगा जॉब फेयर में 333 पुलिसकर्मियों के बच्चों को रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र दिए।





फोटो : रंजर



कानून–व्यवस्था को और बेहतर व प्रभावशाली बनाने की दिशा में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'पुलिस मित्र' बनाने की प्रक्रिया शुरु



19 नवम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने द्वारका में आयोजित **''पुलिस मित्र''** कार्यक्रम में दक्षिण–पश्चिम और पश्चिम जिला के 284 पुलिस मित्रों, जिनमें 49 महिलाएँ भी थी, को पहचान पत्र व बैज़ देकर पुलिस मित्र बनाया है। इस मौके पर वि0पु0आ0 (प्रशासन) श्री अमूल्य पटनायक, वि0पु0आ0 (कानून–व्यवस्था दक्षिणी) श्री पी.कामराज, वि0पु0आ0 (कानून–व्यवस्था उत्तरी परिक्षेत्र) श्री एस.बी.के.सिंह, वि0पु0आ (यातायात) श्री अजय कश्यप, संयुक्त पुलिस आयुक्त (पश्चिमी परिक्षेत्र) श्री दीपेन्द्र पाठक, उपा0 पु0 (दक्षिण–पश्चिमी जिला) श्री सुरेन्द्र कुमार, उपा0 पु0 (पश्चिमी जिला) श्री विजय कुमार, अति0उपा0पु0 श्री सागर सिंह कलसी के अलावा दोनों जिला के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। इसके अलावा इलाके के गणमान्य व्यक्ति, पूर्व महापौर श्री पृथ्वी राज साहनी, निगम पार्षद सुश्री शशि तोमर व पूर्व विधायक श्री राजेश गहलौत भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों, जवानों तथा पुलिस मित्रों को सम्बोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस की पुलिस मित्र योजना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षकों की बैठक में दिये गये उस सुझाव से प्रेरित है, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के हर थाना क्षेत्र में पुलिस मित्र की व्यवस्था की जानी चाहिए और पुलिस को आगे बढ़कर जनता से सहयोग लेने के लिए कदम उठाने चाहिए। दक्षिण–पश्चिम और पश्चिम जिला द्वारा शुरू की इस योजना के प्रथम चरण में शामिल पुलिस मित्रों से पुलिस अपराधों की रोकथाम, महिला, बच्चों और बुजुर्गो की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और आतंकवाद के खिलाफ जागरूकता अभियानों में मदद लेगी। इन पुलिस मित्रों के साथ पहले थाना स्तर पर, फिर उपायुक्त स्तर और बाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर पर बैठकें आयोजित होंगी। इस योजना में समाज के विभिन्न वर्गो के साफ–सुधरी छवि वाले और विभिन्न प्रकार के पेशों से जुड़े इन पुलिस मित्रों में इच्छुक वकील, सामाजिक कार्यक्रताओं, स्वयंसेवी संगठनों, किसान, घरेलू महिलाए, छात्र/छात्राएँ, सेवानिवृत्त सरकारी व सेना के अधिकारी व निकट झुग्गियों के प्रधानों को शामिल किया गया। फिलहाल पुलिस ने आबादी के लिहाज से पुलिस मित्रों को शामिल किया गया है। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक ने कहा कि फिलहाल हमारे पुलिस मित्र बैकों और एटीएम के बाहर लगने वाली कतारों को नियंत्रित करने में पुलिस की मदद कर रहे हैं बाद में पुलिस मित्रों को पीपुल्स पुलिसिंग आयाम के संस्थागत ढ़ाचें से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर पुलिस मित्र बनी एक महिला सुश्री ममता कोचर ने कहा कि पुलिस को जब भी जहाँ भी मेरी जरूरत होगी, मैं पुलिस की मदद करूंगी। मैंने पहले भी सहयोग किया और आगे भी करूंगी। इसी तरह एक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री रश्मि सोनी ने कहा कि मैं काफी दिनों से सामाजिक कार्यो से जुड़ी हूँ और मैं पुलिस मित्र बनकर जनता व पुलिस के बीच सेतु बनकर काम करूंगी। मैं पुलिस को जनता की जरूरतों और जनता को पुलिस की अपेक्षाओं से अवगत कराना मेरी प्राथमिकता होगी।



एक महिला पुलिस मित्र को पहचान पत्र देते हुए पुलिस आयुक्त

दक्षिण–पश्चिम जिला स्थित सेक्टर–9 में रियायती दरों की कैंटीन का उद्घाटन

19 नवम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने दक्षिण–पश्चिमी जिले के थाना द्वारका (साउथ) सेक्टर–9 में रियायती दरों की कैंटीन का उद्घाटन किया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा पुलिसकर्मियों के लिए किये जा रहे कल्याणार्थ कार्यो की दिशा में रियायती कैंटीन की शुरूआत एक सार्थक कदम है। इस कैंटीन के खुलने से आसपास रहने वाले पुलिस परिवारों की समय की बचत होने के साथ–साथ उन्हें रियायती दरों पर आसानी से सामान उपलब्ध हो सकेगा। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।



नांगलोई मेट्रो पुलिस स्टेशन का उद्घाटन


मेट्रो रेल द्वारा उद्घाटन स्थल पर जाते हुए पुलिस आयुक्त


पुलिस आयुक्त एवं मेट्रो रेल प्रबंधक निदेशक उद्घाटन करते हुए

21 दिसम्बर, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा नांगलोई मेट्रो पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करने मेट्रो रेल द्वारा नांगलोई पहुंचे। इस मौके पर मेट्रो के प्रबंधक निदेशक श्री मंगू सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, श्री मुकेश कुमार मीणा तथा दिल्ली पुलिस व मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ मेट्रो द्वारा उद्घाटन स्थल पर पहुंचे। पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने दिल्ली पुलिस व मेट्रो के बीच बेहतर संबंधों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दोनों ही संगठन आम जनता की सेवा के लिए समर्पित हैं। इस मौके पर पुलिस आयुक्त एवं मेट्रो प्रबंधक निदेशक ने दिल्ली पुलिस व मेट्रो के ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ कर्मियों को सम्मानित भी किया।



नांगलोई मेट्रो पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करते हुए


मेट्रो रेल के एक कर्मठ एवं ईमानदार कर्मी को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त


नांगलोई मेट्रो पुलिस स्टेशन के उद्घाटन के मौके पर दिल्ली पुलिस के ब्रास बैंड में अपनी मधुर धुनों से समारोह को खुशनुमा बना दिया।

अच्छी तफ्तीश - अच्छी कामयाबी

नाभा जेल (पंजाब) से फरार आतंकवादी को दिल्ली में दबोचने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा द्वारा सम्मानित



2 दिसम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने स्पेशल सेल की टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर उनकी अनुकरणीय पेशेवर निपुणता, बेहतरीन सूझबूझ और अदम्य साहस के लिए बधाई दी और टीम को एक अच्छा पुरस्कार देने की भी घोषणा की। 27 नवम्बर, 2016 की सुबह करीब 9 बजे चार कारों (टोयटा फॉर्चूनर, होंडा सिटी, हुदैई आई–20 व हुदैई वरना कार) में सवार 14 सशस्त्रधारी बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए हरमिंदर सिंह उर्फ मिंटू, कश्मीर सिंह, गुरदीप सिंह शेखो, हरजिन्दर सिंह उर्फ विकी गोंदर, कुलप्रीत सिंह उर्फ नितिन दयोल तथा अमनदीप सिंह उर्फ धोतियाँ नामक 6 कैदियों को फरार करा कर ले गये थे। इस घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल सहित अन्य यूनिटों की टीमें भी सक्रिय हो गई। दिल्ली पुलिस के लगभग 400 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों की कई टीमें दिल्ली के आईजीआई एवं पालम एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और प्रमुख गेस्ट हाउसों के अलावा अन्य संभावित ठिकानों पर पैनी नज़र रखे हुए थे। स्पेशल सेल की एक टीम ने शानदार सफलता अर्जित करते हुए नाभा जेल (पंजाब) से फरार हुए हरमिंदर सिंह मिंटू को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार, किया। खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख हरमिंदर सिंह मिंटू की गिरफ्तारी पर पंजाब पुलिस द्वारा 25 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ। विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल), श्री अरविंद दीप ने उसी दिन संवाददाताओं को सम्बोधित करते पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर शिव कुमार एएसआई हरीश चन्द्र, एएसआई राजेश शर्मा, हैडकां0 राजपाल, हैडकां0 राजकुमार व हैडकां0 राकेश ने संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री वी. रंगनाथन एवं उपायुक्त पुलिस श्री पी.एस.कुशवाह के मार्गदर्शन में इस शानदार सफलता को अर्जित किया है।

नृशंस हत्याकांड सुलझाने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा प्रोत्साहित



8 दिसम्बर, 2016 को **पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा** ने दक्षिण–पूर्वी जिला के थाना अमर कॉलोनी में 3 दिसम्बर, 2016 को हुई एक महिला की नृशंस हत्या की वारदात को सुलझाने वाली टीम को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी देते हुए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपायुक्त पुलिस, दक्षिण–पूर्वी जिला श्री रोमिल बानिया, अति.उपा.पुलिस श्री मानदेव हर्षवर्धन, एसीपी श्री सतीश कुमार कैन, वारदात सुलझाने में अहम भूमिका निभाने वाले हैडकां0 कृष्णपाल व हैडकां0 सुरेन्द्र भी मौजूद थे। 3 दिसम्बर, 2016 को कैप्टन गौड़ मार्ग के निकट एक गंदे नाले में एक महिला के शरीर का ऊपरी हिस्सा पड़ा था। जांच के दौरान इस मृत महिला के शरीर का आधा हिस्सा श्रीनिवास पुरी के निकट प्राइवेट कॉलोनी के निकट नाले में पड़ा पाया गया था। एसीपी श्री सतीश कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर उदयवीर सिंह, इंस्पेक्टर राजेश मौर्या, इंस्पेक्टर शिवराज बिष्ट, इंस्पेक्टर सहदेव तोमर, एसआई सचिन, एसआई मनोज कुमार, एसआई जितेन्द्र मलिक, हैडकां0 सुरेन्द्र, हैडकां0 कृष्ण पाल, हैडकां0 महाबीर, हैडकां लाल सिंह, हैडकां0 यशपाल, कां0 अनिल व कां0 कर्मबीर की टीम ने इस वारदात को सुलझाने में दिन–रात अथक मेहनत कर मृतक महिला की पहचान (अनारकली 42 वर्ष मूल निवासी चैन्नई) कर उसकी हत्या के आरोप में उसके साथ लिव–इन रिलेशन में रहने वाले उड़ीसा निवासी बलराम को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता पाई।

कुख्यात धोखेबाज को गिरफ्तार कर 3.51 करोड रुपये की भारी रकम बरामद करने वाली पुलिस टीम को पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया।



उत्तर–पश्चिमी जिला के स्पेशल स्टाफ में तैनात एसीपी श्री ओमबीर सिंह, इंस्पेक्टर बलिहार सिंह, एसआई राममनोहर, एसआई विजेन्द्र नागर ,एएसआई सुखविन्द्र सिंह, एएसआई सुरेश कुमार, हैडकां0 अशोक कुमार, हैडकां0 संजय, कां0 सोमबीर, कां0 सुशील व कां0 उमेश को उनकी बेहतरीन तफ्तीश, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए 1 दिसम्बर, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने अपने कार्यालय में शाबाशी दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के. सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय सिंह एवं उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला श्री मिलिंद महादेव डूम्बरे भी उपस्थित थे। गुरूगांव हरियाणा के रहने वाले श्री कपिल मेहता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पुष्पेन्द्र खारी नामक व्यक्ति ने कृष्ण प्रकाश, नीरज गर्ग, मंजर आलम, हेमंत मिश्रा तथा सुभाष सिंगला के माध्यम से मुझे सम्पर्क किया और 500 व 1000 रुपये मूल्य के प्रतिबंधित 2 करोड रुपये त्रिनगर, दिल्ली स्थित पंजाब बैंक की शाखा में जमा कराने के नाम पर ठग लिये। पुलिस टीम अथक प्रयास करते हुए आरोपी पुष्पेन्द्र खारी को गिरफ्तार करने में सफल रही और पूछताछ के आधार पर उसकी निशानदही पर गुरूगांव, लोधी कॉलोनी व द्वारका इलाके से 500 व 1000 रुपये मूल्य के 3 करोड, 51 लाख व 70 हजार रुपये बरामद करने में भी शानदारी कामयाबी हासिल की।

अच्छी तफ्तीश - अच्छी कामयाबी

मुठभेड़ के बाद 4 कुख्यात डकैतों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम की पुलिस आयुक्त ने प्रशंसा की।



2 दिसम्बर, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने दक्षिण–पूर्वी जिला में तैनात श्री अमित कोशिक, इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह, इंस्पेक्टर अशोक कुमार, एसआई ईश्वर सिंह, एसआई पंकज कुमार, एसआई दिलबाग सिंह, एएसआई मोहन सिंह, हैडकां0 स्वर्ण, हैडकां0 रणवीर नागर, कां0 संतवीर, कां0 अरविंद, कां0 आशू, कां0 ओमप्रकाश, कां0 जयवीर ,कां0 सतीश तलहन व कां0 अमित की टीम को उनके अदम्य साहस और कर्तव्यपरायणता के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर टीम के साथ विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.कामराज, उपायुक्त पुलिस श्री रोमिल बानिया भी मौजूद थे। 1 दिसम्बर, 2016 को सूचना मिली थी कि कुछ कुख्यात बदमाश पुल पहलादपुर इलाके में डकैती डालने के इरादे से एकत्रित हुए हैं। पुलिस टीम ने तत्काल बिना समय गंवाये होंडा सिटी कार में सवार बदमाशों को ललकारा। बदमाशों ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए भागने का असफल प्रयास किया। पहले से चौकन्नी रही पुलिस टीम ने चारों डकैतों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 2 देशी पिस्टल मय 7 जिंदा कारतूस, एक मारूति स्विफ्ट कार, व 5 मोबाइल फोन बरामद करने में शानदार कामयाबी हासिल की।

हत्यारोपी चार वांछित बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 अत्याधुनिक हथियार व 20 मोबाइल फोन बरामद करने वाली पुलिस टीम सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने 28 नवम्बर, 2016 को दक्षिणी जिला के स्पेशल स्टाफ को उनकी अच्छी सूझबूझ, साहस और अनुकरणीय तफ्तीश के लिए अपने कार्यालय में बुलाकर प्रोत्साहित किया। एसीपी श्री आदित्य गौतम व एसीपी श्री पलविन्दर चहल के नेतृत्व में इंस्पेक्टर हीरालाल की टीम एसआई जीत सिंह, एसआई सतेन्द्र खारी, हैडकां0 रविन्द्र, कां0 प्यारा सिंह, कां0कुलदीप, कां0 संदीप, कां0 नरेश व कां0 योगेश ने चार ऐसे कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया जिनमें से दो की गिरफ्तारी पर 50–50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था। गिरफ्तार चारों बदमाश दक्षिणी जिला, दक्षिण–पूर्वी जिला और उत्तरी जिला में दर्ज हत्या के मामलों में वांछित थे। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि अल्प सुबह कुछ बदमाश स्कोर्पियो कार में सवार होकर डेरा गांव की तरफ से गुजरेंगे। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही की और चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 7 अत्याधुनिक हथियार, 72 जिंदा कारतूस व 20 मोबाइल फोन बरामद करने में शानदार कामयाबी हासिल की। पुलिस आयुक्त ने टीम के कार्य को काफी सराहा और भविष्य में इसी तरह लगन और परिश्रम से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.पी.उपाध्याय व उपायुक्त पुलिस श्री ईश्वर सिंह भी उपस्थित थे। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि अल्प सुबह कुछ बदमाश स्कोर्पियो कार में सवार होकर डेरा गांव की तरफ से गुजरेंगे। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही की और चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 7 अत्याधुनिक हथियार, 72 जिंदा कारतूस व 20 मोबाइल फोन बरामद करने में शानदार कामयाबी हासिल की। पुलिस आयुक्त ने टीम के कार्य को काफी सराहा और भविष्य में इसी तरह लगन और परिश्रम से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.पी.उपाध्याय व उपायुक्त पुलिस श्री ईश्वर सिंह भी उपस्थित थे।

मुठभेड़ के दौरान बदमाशों को दबोचने वाले पुलिसकर्मी पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पश्चिमी जिला के थाना विकासपुरी में तैनात एएसआई सुरेश नंद और कां0 युद्धवीर इलाके में गश्त कर रहे थे कि अग्रसेन भवन के निकट अंधेरे में 5/6 संदिग्ध व्यक्तियों को खड़े देखा। जब ये दोनों पुलिसकर्मी उन संदिग्ध व्यक्तियों की तरफ बढ़े तो अचानक सभी एकत्रित हुए बदमाश इधर–उधर विपरित दिशाओं में भागने लगे। कां0 युद्धवीर ने जब एक बदमाश को दबोचने का प्रयास किया तो उसने देशी कट्टा निकाल कर का0 युद्धवीर पर फायरिंग कर दी। कां0 युद्धवीर ने अपना बचाव करते हुए आत्मरक्षा में दो फायरिंग किये और उस बदमाश को दबोचे रखा और वहीं दूसरी तरफ एएसआई सुरेश नंद ने भी एक दूसरे बदमाश को धर–दबोचा। दोनों बदमाशों को थाने लाया गया जहां उनकी पिछले अपराधों की संलिप्तता के बारे में जानकारी मिली। 4 नवम्बर, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने दोनों पुलिसकर्मियों को अपने कार्यालय में बुलाकर शाबाशी दी और उन्हें समुचित पुरस्कार देने की घोषणा की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी. कामराज, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री दीपेन्द्र पाठक एवं जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि

माह सितम्बर से दिसम्बर, 2016 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 84 पुलिसकर्मियों की भिन्न–भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भाव–भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके आश्रितों के प्रति अपनी संवदेना प्रकट करता है। **सितम्बर माह में दिवंगत पुलिसकर्मी** :– एसआई हुक्मराम (संचार शाखा) हैडकां0 रामसेवक (पीटीसी), हैडकां0 महाबीर सिंह, हैडकां0 संजीव आर. कां0 अनिल कुमार व कां0 दीपक पवार (उत्तर–पूर्वी जिला), एएसआई ओमबीर सिंह, कां0 शिशुपाल, कां0 डोरे अशोक डोडा (पीसीआर), एएसआई लखपत सिंह हैडकां0 राजेन्द्र सिंह व कुक धर्मबीर (दक्षिणी जिला), एमटीएस किशन लाल (उत्तरी जिला), एएसआई भरत सिंह (सातवीं वाहिनी), महिला हैडकां0 स्मृति (पीएंडएल),एएसआई राजकुमार सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला), कुक देवेन्द्र कुमार (बाहरी जिला), कां0 विवेक चन्द्र (पश्चिमी जिला), कां0 भूपेन्द्र सिंह व कां0 रविन्द्र (ट्रैफिक), कां0 बीर सिंह (राष्ट्रपति भवन), कां0 राजेन्द्र सिंह (सुरक्षा) तथा हैडकां0 श्री कृष्ण (सतर्कता)। **अक्टूबर माह में दिवंगत पुलिसकर्मी**:– एसआई महेन्द्र सिंह, एएसआई रविन्दर कुमार, एएसआई चन्दर कुमार व कां0 संजीव कुमार सिंह (सुरक्षा), कां0 छतर पाल (नई दिल्ली जिला), हैडकां0 विजेन्द्र सिंह व कां0 शहनावस टीएस (दक्षिण–पूर्वी जिला), कां0 विकास सिंह (पूर्वी जिला), एमटीएस मदन पाल सिंह (उत्तर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 योगेश प्रकाश गौड़ व एमटीएस अरबिन्द कुमार (पुलिस मुख्यालय), हैडकां0 बलवान सिंह (पीएंडएल), एएसआई नरेश चन्द्र हैडकां0 ज्ञानेन्द्र सिंह (विशेष शाखा), एसआई भोला ओंरान (राष्ट्रपति भवन), हैडकां0 राम मेहर व कां0 वेदप्रकाश (दक्षिण–पश्चिमी जिला), कां0 विकास कुमार (दक्षिणी जिला), कां0 राजाराम (पीसीआर) हैडकां0 कश्मीर सिंह तथा कां भगवान सहाय (सातवीं वाहिनी)। **नवम्बर माह में दिवंगत पुलिसकर्मी**:– कां0 नरेन्द्र सिंह व कां0 लतिंग वाईपाई (नई दिल्ली जिला), एसआई सुमन, एसआई धर्मपाल (पीसीआर), एएसआई उदयवीर सिंह, हैडकां0 नरेन्द्र सिंह व हैडकां0 विजयमान (सुरक्षा), महिला कां0 सविता कां0 महेन्द्र सिंह (बाहरी जिला), हैडकां0 राजेन्द्र सिंह, कां0 विक्रम सिंह (पश्चिमी जिला), हैडकां0 चंदन सिंह (संचार शाखा), हैडकां0 राजेन्द्र कुमार (पांचवी वाहिनी), कां0 राजकुमार (उत्तरी जिला), एएसआई जगत सिंह (दक्षिणी–पूर्वी जिला), एसआई सुरेन्द्र सिंह (विशेष शाखा), एमटीएस विक्रम सिंह (उत्तरी जिला), कां0 सुधीर गुप्ता (उत्तर–पश्चिमी जिला), एएसआई विजय हेमराज व कां0 अशोक कुमार (ट्रैफिक), हैडकां0 कर्मबीर सिंह (मध्य जिला) तथा एएसआई जयपाल सिंह (सातवीं वाहिनी)। **दिसम्बर माह में दिवंगत पुलिसकर्मी** :– एएसआई ब्रिज मोहन (छठी वाहिनी) हैडकां0 राकेश कुमार व कां0 रमेश कुमार काजला (रोहिणी जिला) एमटीएस रामचन्द्र (नई दिल्ली जिला), एएसआई धर्मबीर सिंह व एमटीएम दया किशन (पश्चिमी जिला), एसआई धर्मपाल सिंह (दक्षिणी पश्चिमी) एमटीएस बच्चन सिंह (पीटीएस), एएसआई राजकुमार (उतरी पूर्वी जिला), कां0 रामपाल (सुरक्षा), हैडकां0 मुन्नी प्रकाश (मध्य जिला), महिला एसआई आशा कुमार व एएसआई रूपचंद (पूर्वी जिला), एएसआई सुरेन्द्र सिंह व एएसआई विरेन्द्र सिंह (ट्रैफिक) तथा एएसआई सतबीर सिंह (पीसीआर)।

सेवानिवृत्त

अक्टूबर–नवम्बर माह 2016 के दौरान 143 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इनमें से 14 ने स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और उनकी दीर्घायु की कामना करता है। **अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी** : एसीपी श्री हरिसिंह रावत, एसीपी श्री सुरेन्द्र कुमार आहूजा व एएसआई सुरेन्द्र कुमार आर्य **(पुलिस मुख्यालय)**, एएसआई लोभान सिंह **(उत्तर–पश्चिमी जिला)** इंस्पेक्टर रण सिंह **(पीटीसी)**, एसआई वेदप्रकाश एमटीएस फूलसिंह **(एसपीयू डब्लूएसी)**, एसआई हरि प्रकाश हैडकां0 जीत सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई नरेश कुमार, एसआई सुदर्शन कुमार, हैडकां0 रजनीश कुमार **(ट्रैफिक)**, हैडकां0 नरेन्द्र सिंह **(डीईसेल)**, इंस्पेक्टर राम सिंह **(दक्षिणी जिला)**, एसआई अरविन्द्र कुमार, एसआई सतबीर सिंह व एसआई रामसिंह **(पूर्वी जिला)**,एएसआई रामनिवास व एमटीएस रैमी **(दक्षिणी–पश्चिमी जिला)** एएसआई राजेन्द्र कुमार वर्मा **(द्वितीय वाहिनी)**, कां0 सुरेन्द्र कुमार **(पश्चिमी जिला)**, एसआई सत्यपाल सिंह, हैडकां0 सुरेन्द्र सिंह मान, हैडकां0 ब्रहमभूषण व हैडकां0 सुनील दत्त **(बाहरी जिला)**, इंस्पेक्टर पारसनाथ, एसआई पवन कुमार, एसआई राजेन्द्र कुमार व एसआई मंजू शर्मा **(संचार शाखा)**, एसआई तारादत्त शर्मा **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एसआई रामकिशोर मैहली, एसआई जैम्स बैक, एसआई संतपाल सिंह, एएसआई पाले राम, एएसआई प्रीतम सिंह, एएसआई भोषमणी सिंह, एएसआई सुरत सिंह, एएसआई संकट प्रसाद, एएसआई प्रदीप कुमार, एएसआई प्रेमपाल सिंह तथा हैडकां0 कैलाश प्रकाश (पीसीआर), एसआई विनोद कुमार, हैडकां0 आनंद स्वरूप (उत्तरी जिला), एसआई नरेश कुमार, एसआई ऋषिपाल सिंह, एसआई सरवर अली, उदयराम, एएसआई बलवान सिंह, एएसआई राकेश कुमार, कां0 सतनारायण तथा कां0 अभय सिंह (सुरक्षा), एसआई शिवनाथ बाबू तथा कां0 नरेन्द्र सिंह (अपराध शाखा), एसआई दलबीर सिंह (पीएंडएल), इंस्पेक्टर राजबीर सिंह (छठी वाहिनी), एसआई हरिराम व एसआई दिलबाग सिंह (नई दिल्ली जिला), एसआई कृष्णचन्द्र, एसआई अनूप सिंह, एसआई आजाद सिंह शर्मा, एसआई बिजेन्द्र सिंह, एसआई रंजीत सिंह तथा एसआई वारिश अहमद (स्पेशल ब्रांच)। **नवम्बर माह में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी** :– एसआई असद रजा जैदी (पुलिस मुख्यालय), एसआई ओमप्रकाश ,हैडकां0 ओहन कुमार व कां0 महेन्द्र सिंह वर्मा (नई दिल्ली जिला), एसआई कर्ण सिंह (बाहरी जिला) इंस्पेक्टर भगवान सिंह व एएसआई प्रभुदयाल (मैट्रो यूनिट), एसआई रघुवीर सिंह मीणा, एसआई स्वदेशपाल सिंह एसआई सत्यवीर सिंह (राष्ट्रपति भवन), एसआई मोहम्मद हारूण, कां0 कवंरपाल सिंह (पश्चिमी जिला) एमटीएस बलजीत सिंह (तृतीय वाहिनी), हैडकां0 कुलवंत सिंह व हैडकां0 हंसराज (दक्षिणी जिला), एसआई राजेन्द्र सिंह व एसआई जयकंवर (प्रथम वाहिनी), एसआई श्रीकृष्ण, एसआई दयाल सिंह (ट्रैफिक), इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश और एसआई अशोक कुमार (पीटीसी), एसआई इन्द्र सिंह (द्वितीय वाहिनी), इंस्पेक्टर सिमोन मैथ्यू व इंस्पेक्टर जोसफ, एसआई मोहम्मद सुलेमान एसआई प्रयाज्ञदत्त (संचार शाखा), एसआई स्वरूप सिंह (छठी वाहिनी), एसआई भगत सिंह (पूर्वी

बारी से पहले तरक्की

पुलिस आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार 18 पुलिसकर्मियों को उनकी उल्लेखनीय एवं कर्तव्यनिष्ठ सेवाओं के लिए बारी से पहले तरक्की देकर प्रोत्साहित किया गया है। **बारी से पहले तरक्की पाने वालों में शामिल हैं**:– एसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई सुरेश चन्द, हैडकां0 राजेश शर्मा, हैडकां0 हरविन्दर, हैडकां0 सुरेन्द्र सिंह, हैडकां0 सुखबीर सिंह, हैडकां0 पवन कुमार, हैडकां0 जगत सिंह, हैडकां0 सतीश कुमार, हैडकां0 संजीव कुमार, हैडकां0 राजबहादुर, हैडकां0 सुनील डागर, हैडकां0 अनिल कुमार, कां0 दीपक, कां0 आदेश कुमार, कां0 संदीप, कां0 सचिन कुमार तथा कां0 युद्धवीर शामिल हैं।


एसआई राजेन्द्र सिंह


एएसआई सुरेश चन्द


हैडकां. राजेश शर्मा


हैडकां. हरविन्दर


हैडकां. सुरेन्द्र सिंह


हैडकां. सुखबीर सिंह


हैडकां. पवन कुमार


हैडकां. जगत सिंह


हैडकां. सतीश कुमार


हैडकां. संजीव कुमार


है.कां. राजबहादुर


है.कां. सुनील डागर


है.कां. अनिल कुमार


कां. आदेश कुमार


कां. दीपक


कां. संदीप


कां. सचिन कुमार


कां. युद्धवीर

भूल सुधार

पिछले अंक नं0 112 में पृष्ठ सं0 16 पर प्रकाशित ''दिल्ली पुलिस के शहीद पुलिसकर्मी'' की सूची में भूलवश शहीद हैडकां0 महाबीर प्रसाद मीणा संख्या 605/पश्चिमी जिला की फोटो की जगह हैडकां0 महाबीर सिंह मीणा का फोटो प्रकाशित हो गई थी। हमारे बीच सेवारत हैडकां0 महाबीर सिंह मीणा की फोटो भुलसुधार के लिए प्रकाशित की जा रही है। हमारा हैडकां0 महाबीर सिंह मीणा को किसी प्रकार से आहात करने या पीड़ा पहुंचाने का कोई उद्देश्य नहीं था। असुविधा के लिए खेद है।

शहीद हैड कां. महाबीर प्रसाद मीणा





सेवारत हैड कां. महाबीर सिंह मीणा

जिला), इंस्पेक्टर गोपाल सिंह एसआई भीकूराम एमटीएस एमदन लाल कां0 सुरेन्द्र सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई ज्ञानेश्वर सिंह, एसआई ललित मोहन, एसआई राजनाथ, एएसआई सरफराज अहमद, एएसआई उत्तमचंद, एएसआई दयाचंद, एएसआई चौखे लाल एएसआई राजेन्द्र सिंह,एएसआई सुरजभान शर्मा, एएसआई दयानंद व एएसआई राजेन्द्र सिंह (पीसीआर), एसआई प्रेमपाल सिंह, एसआई बालकिशन व एएसआई बिरीराम (उत्तर–पश्चिमी जिला), एसआई राम कुमार, एसआई शिवलाल, एसआई रमेश कुमार, एसआई शिवलाल कस्ता, एसआई जयसिंह, एसआई महाबीर प्रसाद, एसआई खेम बहादुर ,एसआई हाफिजुद्दीन, एएसआई रविन्दर कुमार, एएसआई हरनारायण, हैडकां0 सुदर्शन प्रकाश, एसआई धर्मबीर, एएसआई निनामा हरिचन्द्रा भाई सुन्नजा भाई, हैडकां0 ब्रहमचारी व विनोद कुमार (सुरक्षा), एसआई जाहिरउल हसन व एएसआई मोहम्मद उमान (स्पेशल ब्रांच), एएसआई टी.धर्मदास (अपराध शाखा), एसआई अब्दुल सुभान खान (सतर्कता शाखा), एएसआई जन मोहम्मद एसआई विजेन्द्र सिंह व एएसआई फजरूद्दीन (मध्य जिला) एएसआई ओमबीर सिंह व हैडकां0 प्रीतपाल सिंह (उत्तरी जिला), एसआई काफिल अहमद, हरभजन सिंह तथा अकील अहमद (उत्तर–पूर्वी जिला)।

30 नवम्बर व 31 दिसम्बर 2016 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी रणधीर सिंह (सुरक्षा)



एसीपी यशवंत सिंह नेगी (मुख्यालय)



एसीपी धर्मपाल सिंह (राष्ट्रपति भवन)



एसीपी हर्षमित्र (अपराध शाखा)



एसीपी सत्यवीर सिंह (विशेष प्रकोष्ठ)



21 नवम्बर, 2016 को साऊदी अरब के राजदूत ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर साऊदी अरब दूतावास और दिल्ली पुलिस के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। आपसी विचार-विमर्श के बाद पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने साऊदी अरब राजदूत को एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

हैडकां. अजीत सिंह पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

थाना पंजाबी बाग में तैनात हैडकां. अजीत सिंह ने दिल्ली पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस पर एक गीत की रचना की है। गीत व गज़ल लिखने व गाने के शौकीन हैडकां. अजीत सिंह दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपने इस गीत को मधुर स्वरों में गा चुके हैं। हैडकां. अजीत सिंह की प्रतिभा को पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा एवं दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती शेफाली वर्मा ने पसन्द किया और प्रशंसा की।





प्रेरणास्रोत संकल्प गीत

न्यारी सबसे न्यारी, दिल्ली पुलिस हमारी,
सारी पुलिस से न्यारी, दिल्ली पुलिस हमारी,
हम हैं सिपाही इसके, किस्मत ये हमारी,
न्यारी.....।।

न्याय के पथ पे चलना, अन्याय को तुम ना सहना,
आन यही है मान यही है, यही है शान हमारी,
न्यारी.....।।

जनता की रक्षा करना हमको ये सिखलाती है,
हमतो इसके सेवक हैं, ड्यूटी ये हमारी,
न्यारी.....।।

हैं हम सदा सभी के और सभी के साथ हैं,
देखो ये कह रही, दिल्ली पुलिस हमारी,
न्यारी.....।।

कानून का सम्मान करें, जो हम तो दें सम्मान उन्हें,
यही हमारा मूलमंत्र है, यही है साँस हमारी,
न्यारी.....।।

गीत व गायक
हैड कां. अजीत कुमार



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन उपायुक्त पुलिस (सामान्य प्रशासन)
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक